Rashtriya Sahara, Page - 06
23/03/2019

'किफायती तकनीक व उपकरणों से बदलेंगे किसानों की तकदीर'

कानपुर (एसएनबी)। देश के अन्नदाता किसानों की तकदीर बदलने को अब तकनीक व सहयोगी उपकरणों का सहारा लिया जाएगा। इसके लिए ' इंडिया एग्रीटेक इंक्यूबेशन नेटवर्क (आईएआईएन) स्थापित कर कृषि आधारित नये उद्योग-नवाचारों (इनोवेशन) को बढ़ावा दिया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए सरकारी प्रयासों से इतर आईआईटी, कानपुर ने भी हाथ बढ़ाया है। आईआईटी कानपुर इस अहम कार्य को विश्व प्रसिद्ध वैश्विक स्वयंसेवी संस्था गेट मिलिंडा फाउंडेशन के अलावा टाटा ट्रस्ट व सोशल अल्फा फाउंडेशन के साथ मिलकर अंजाम देगा।

'आईएआईएन' की स्थापना में सहयोग के लिए आईआईटी कानपुर ने उक्त ख्याति प्राप्त संस्थानों से हाथ मिलाते हुए समझौता अनुबंध (एमओयू) किया है। एमओयू साइन किये जाने के मौके पर आईआईटी निदेशक प्रो.अभय करंदीकर के साथ गेट मिलिंडा फाउंडेशन, टाटा ट्रस्ट व सोशल अल्फा के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी ने विश्वास जताया कि 'आईएआईएन' देश के कृषि परिदृश्य में व्यापक बदलाव लाने के साथ किसान को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान करेगा। सेंटर की स्थापना आईआईटी के नोएडा एक्सटेंशन सेंटर में की जाएगी। कृषि स्टार्टअप से जुड़े लोगों का मानना है कि इस सेंटर से दिल्ली-एनसीआर रीजन में एग्रीटेक इंक्यूबेटर को बढ़ावा मिलेगा।'सोशल अल्फा' टाटा ट्रस्ट व केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थिक एक नॉन-फॉर-प्राफिट संगठन है। ' सोशल अल्फा' को अभी तक 50 से अधिक सामाजिक प्रभाव वाले स्टार्टअप को बढ़ावा देने का श्रेय हासिल है, जिनमें से 25 ने बीज निवेश भी प्राप्त किया है। टाटा ट्रस्ट ने यह सहयोग अपनी पहल 'सामूहिक एकीकृत आजीवका पहल' (सीएलएनएल) योजना के तहत किया है। कार्यक्रम के तहत विशेषज्ञों द्वारा कृषि विषयक चयनित स्टार्टअप व उद्यमियों को आवश्यक इंक्यूबेशन सुविधा उपलब्ध कराने के अलावा फेलोशिप सुविधा भी उपलब्ध कराये जाने का प्रस्ताव है। कार्यक्रम के पूरा होने पर उद्यमी 'एंटरप्रेन्योर-इन-रेजिडेंस' का विकल्प चुन सकते हैं या सोशल अल्फा से गारंटीज सीड फंडिंग के साथ अपना उद्यम शुरू कर सकते हैं। फंडिंग ₹ 10 लाख से 1 करोड़ तक की हो सकती है।'आईएआईएन' से आईआईटी से संबद्ध रहे छात्रों के उपक्रमों को भी जोड़ा जाएगा। आईआईटी के पूर्व छात्र विश्वजीत सिन्हा ने वर्ष 2012 में स्थापित अपनी स्टार्टअप कंपनी 'ऑक्सन फार्म' के माध्यम से उप्र सहित कई प्रदेशों के किसानों को सस्ती दरों पर किराये पर किसानों कृषि यंत्र व उपकरण उपलब्ध करा कृषि विकास व आय वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान किया है। किराये पर कृषि उपकरणों के मिलने से श्रमिक संकट का बहुत हद तक निवारण हुआ है।

आईआईटी में कृषि पर दो ऑनलाइन 'एजी मूक्स' कोर्सेस 25 से

कानपुर (एसएनबी)। आईआईटी कानपुर ऑन लाइन 'मूक्स' प्लेटफार्म के तहत कृषि से संबद्ध दो नये ऑनलाइन कोर्सेस का आरंभ 25 मार्च से शुरू करने जा रहा है। दोनों नये पाठ्यक्रम हैं- रिसोर्स मैनजमेंट इन रेनफैड ड्रायलैंड्स एवं फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन। दोनों पाठ्यक्रम के अनुदेशक डॉ.जीएम सुजीथ (यूएएस-बेंगलोर) व डॉ.बी.जिरली (बीएचयू,वाराणसी) होंगे।

'रिसोर्स मैनेजमेंट इन रेनफैल ड्रायलैंड्स' पाठयक्रम का उद्देश्य शुष्क भूमि में उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा विकसित तकनीक व प्रणालियों के बारे में जानकारी देना है। इसके अलावा भारत द्वारा शुष्क भूमि में कृषि कार्य के लिए किये गये अनुसंधान एवं उनके कार्यान्वियन की दिशा में उठाये गये कदमों से अवगत कराना है। 'फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन' पाठयक्रम में एक्सटेंशन के उद्देश्यों, सिद्धांतों, दर्शन तथा परिणामों का समावेश किया गया है।दोनों पाठयक्रमों की शुरुआत 25 मार्च से की जाएगी। इसके लिए पंजीकरण की प्रक्रिया चालू हो चुकी है। पाठ्यक्रम करने के इच्छुक अभ्यथी संस्थान से विस्तृत जानकारी ले सकते हैं। ' मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस' की शुरुआत सबसे पहले कॉमनवेल्थ आफ लर्निंग,कनाडा ने 2015 में की थी। इसके बाद आईआईटी कानपुर, आईआईएससी, यूएएस-रायचूर, एनपीटीईएल आदि संस्थानों ने एक समूह बनाकर देश में 'मूक्स' पाठयक्रमों का संचालन आरंभ किया। आईआईटी कानपुर में अब तक छह चरणों में 16 'मूक्स' पाठयक्रम संचालित किये जा चुके हैं।

Hindustan, Page - 18
23/03/2019

25 से मूक के दो नए पाठ्यक्रम

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

आईआईटी कानपुर में 25 मार्च से मूक (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस) के दो नए पाठ्यक्रम शुरू होने जा रहे हैं। इसमें पहला रिसोर्स मैनेजमेंट इन रेनफैड ड्रायलैंड्स है। दूसरा फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन।

इसके लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया चल रहा है। अभ्यर्थी पंजीकरण के लिए वेबसाइट http:// www. agmoocs. in पर जा सकते हैं। इसकी शुरुआत सबसे पहले कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग, कनाडा ने वर्ष 2015 में की थी। इसके बाद आईआईटी कानपुर, आईआईएमसी, यूएएस-रायचूर, एनपीटीईएल संस्थाओं ने मिलकर पाठ्यक्रम का संचालन शुरू किया। इसका मुख्यालय कानपुर बनाया गया। अब तक छह चरणों में 16 पाठ्यक्रम (12 नए पाठ्यक्रम और चार दोबारा पाठ्यक्रम) शुरू हो चुके हैं। इसे दिसंबर 2017 में हाटेक्नालॉजीस फॉर ग्रोथ हा वर्ग में स्कॉच गोल्ड पुरस्कार से भी नवाजा गया है।

शुष्क भूमि में सीखेंगे अधिक उत्पादन

रिसोर्स मैनेजमेंट इन रेनफैड ड्रायलैंड्स पाठ्यक्रम के अनुदेशक डॉ. जीएम सुजीथ (यूएएस-बेंगलोर) होंगे। इस पाठ्यक्रम में शुष्क भूमि में उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई तकनीक तथा प्रणालियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। साथ ही भारत द्वारा शुष्क भूमि में कृषि कार्य के लिए किए गए उच्चकोटि के अनुसंधान एवं उनके कार्यान्वयन की दिशा में उठाए कदमों के बारे में जानकारी देंगे।

कृषि क्षेत्र की उत्पादकता का विस्तार बताया जाएगा

फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन पाठ्यक्रम के अनुदेशक डॉ. बी जिरली (बीएचयू, वाराणसी) होंगे। पाठ्यक्रम में एक्सटेंशन के उद्देश्य, सिद्धांत, दर्शन व परिणामों का समावेश किया गया है। एक्सटेंशन साइंस की आधुनिक प्रवृत्तियां कृषि क्षेत्र की उत्पादकता के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण है।

(2)

Amar Ujala, My City, Page-04
23/03/2019

25 से शुरू होंगे दो नए ऑनलाइन कोर्स

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। कृषि की नवीन तकनीकों को बताने के उद्देश्य से आईआईटी और कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग के संयुक्त तत्वावधान में एग्रीकल्चर मैसिव ओपन ऑनलाइन रिसोर्स की शुरुआत होने जा रही है। इसके तहत 25 मार्च से दो नए कोर्सों रिसोर्स मैनेजमेंट इन रेनफेड ड्रायलैंड्स और फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन की शुरुआत होगी।

कृषि के स्नातक और परास्नातक छात्र, आईसीएआर के वैज्ञानिक, राज्य कृषि विवि के फैकल्टी ये दोनों कोर्स कर सकते हैं। रिसोर्स मैनेजमेंट इन रेनफेड ड्रायलैंड्स कोर्स के अनुदेशक डॉ. जीएम सुजीथ होंगे। शुष्क भूमि में उत्पादकता बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई तकनीक तथा प्रणालियों के बारे में इस कोर्स में

खेती की नवीन तकनीकों और शोधों के बारे में मिल सकेगी जानकारी

जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा भारत द्वारा शुष्क भूमि में कृषि कार्य के लिए किए गए उच्चकोटि के शोध एवं उनके कार्यान्वयन की दिशा में उठाए गए कदमों के बारे में भी बताया जाएगा। फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन कोर्स के अनुदेशक बीएचयू के डॉ. बी जिरली होंगे। इस पाठ्यक्रम में एक्सटेंशन के उद्देश्यों, सिद्धांतों, दर्शन तथा परिणामों का समावेश किया गया है। दोनों पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इच्छुक छात्र http://www.agmoocs.in पर पंजीकरण कर सकते हैं। पाठ्यक्रम संबंधी जानकारी के लिए info@agmoocs.in पर संपर्क किया जा सकता है।

Dainik Jagran, Page-07
23/03/2019

आइआइटी में 25 मार्च से शुरू होंगे दो नए पाठ्यक्रम

जागरण संवाददाता, कानपुर: शुष्क भूमि में उत्पादकता कैसे बढ़ाई जा सकती है? इसके अलावा वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई नई तकनीकें और प्रणाली कौन-कौन सी हैं? अब आइआइटी के छात्र आनलाइन पढ़ाई करके यह जानकारी हासिल कर सकेंगे।

25 मार्च से यहां 'रिसोर्स मैनेजमेंट इन रेनफेड ड्राइलैंड्स' की पढ़ाई शुरू होगी। यूएएस-बेंगलुरु के निदेशक डॉ जीएम सुजीथ इस पाठ्यक्रम के अनुदेशक होंगे। वह छात्रों को 'भारत द्वारा शुष्क भूमि में कृषि कार्य के लिए किये गए उच्चकोटि के अनुसंधान एवं उनके क्रियान्वयन की दिशा में उठाए गए कदम' के विषय में भी बताएंगे। छात्रों के लिए मूक्स कोर्स की श्रेणी में 25 मार्च से 'फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन' पाठ्यक्रम की भी पढ़ाई शुरू होगी। जिसमें बीएचयू, वाराणसी के डॉ. बी.जिरली इस पाठ्यक्रम के अनुदेशक होंगे। वह छात्रों को एक्सटेंशन के उद्देश्यों, सिद्धान्तों, दर्शन आदि का समावेश करने की जानकारी देंगे। साथ ही इस पाठ्यक्रम से छात्रों को क्या लाभ हो सकते हैं? इस विषय में भी बताएंगे।

सुविधा

- रिसोर्स मैनेजमेंट इन रेनफेड ड्रायलैंड्स की ऑनलाइन पढ़ाई
- फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन की भी मिलेगी जानकारी

इस वेबसाइट पर करा सकेंगे पंजीकरण

जो छात्र इन पाठ्यक्रमों में दाखिला लेना चाहते हैं, वह इस वेबसाइट- http://www.agmoocs.in पर पंजीकरण करा सकेंगे। आइआइटी के प्रशासनिक अफसरों ने बताया कि पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

I Next, Page-04
23/03/2019

25 से आईआईटी के 2 नए ऑनलाइन कोर्स होंगे शुरू

अलग-अलग फील्ड के एक्सपर्ट के लेक्चर कैंडिडेट्स को ऑनलाइन मिलेंगे

kanpur@inext.co.in

KANPUR (22 March): आईआईटी कानपुर एग्रीकल्चर मैसिव ओपन ऑनलाइन दो नये कोर्स 25 मार्च से स्टार्ट करने जा रहा है. इसमें फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन और रिसोर्स मैनेजमेंट इन रेनफेड ड्रायलैंड्स शुरू किया जा रहा है. इन कोर्स को पूरा करके यूथं अपना स्टार्ट अप भी कर सकते हैं. अलग-अलग फील्ड के एक्सपर्ट के लेक्चर कैंडिडेट्स को ऑनलाइन मिलेंगे.

16 कोर्स स्टार्ट हो चुके

ऑनलाइन कोर्स के इंचार्ज डॉ. टीवी प्रभाकर ने बताया कि 16 कोर्स स्टार्ट किए जा चुके हैं. जिसमें 12 नये कोर्स शामिल हैं. आईआईटी कानपुर में एग्रीमूक्स कोर्स इयर 2015 में स्टार्ट किए गए थे. बीएचयू वाराणसी के डॉ. बी जिरली फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन कोर्स के अनुदेशक बनाए गए हैं. डॉ. जीएम सुजीथ ड्रायलैंड्स के अनुदेशक बनाए गए हैं.

AAJ, Page-05
23/03/2019

मूक के आनलाइन दो नये कोर्सेज की लाचिंग 25 को

कानपुर, 22 मार्च। मूक की ओर से मैसिव ओपन आनलाइन पाठ्यक्रम तैयार किये गये, जिनमें पहला नया कोर्स रिसोर्स मैनेजमेंट इन रेनफैड ड्रायलैंड्स और दूसरा कोर्स फंडामेंटल ऑफ एग्रीकल्चर एक्सटेंशन हैं। ये दोनों पाठ्यक्रमों की शुरुआत 25 मार्च से होंगी। आनलाइन पंजीकरण की पक्रिया चालू हो चुकी है। समस्त छात-छालाएं इन पाठ्यक्रमों से संबंधित अधिक जानकारी के लिए का वेबसाइट 222.इद्द्वश्शष्द्वा.द्वठ्ठ पर अवलोकन कर सकते है। पाठ्यक्रम से संबंधित पूछताछ के लिए द्वठ्ठद्धशञ्चइद्द्वश्शष्द्वा.द्वठ्ठ के माध्यम से संपर्क कर सकते है। डा. जी.एम. सुजीथ (यूएएस-बैंगलौर) रिसोर्स मैनेजमेंट इन रेनफैड ड्रायलेड्स पाठ्यक्रम के अनुदेशक होंगे। शुषक भूमि में उत्पादकता बैढाने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई तकनीकि तथा प्रणालियो के ब रे में स्पष्ट जानकारी की जा सकेगी। शुषक भूमि में कृषि कार्य के लिए किये गये उज्ज कोटि के अनुसंधान एवं उनके कार्यान्वयन की दिशा में उठाये कदमों के बारे में बताया जाएगा। डा. बी. जिरली (बीएचयू-वाराणसी) फंडामेंडल आफ एग्रीकल्चर एकसटेंशन पाठ्यक्रम के अनुदेशक होंगे। इस पाठ्यक्रम में एकसटेशन के उददेश्यों, सिद्धान्तों, दर्जन तथा परिमाणो का समावेश किया गया है। एकसटेशन साइंस की आधुनिकता प्रवृत्तियां कृषि क्षेल की उत्पादकता के लिए विस्तार के लिए महत्वपूर्ण हो गई है। एकसटेशन एजूकेशनिस्ट तथा एकसटेशन सर्विस प्रदाता के बीच अंतर दिखाने का प्र यास किया गया। एकसटेशन एजूकेशन के मूल तत्वों की समझ से एकसटेशन प्रोफेशनलों के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा।